the delegation of U.S.S.R. who happened to visit the country with the Soviet Prime Minister regarding supply of 6,00,000 tonnes of additional crude in exchange of Indian rice; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). An agreement has been signed in New Delhi on 14th March, 1979 between the Government of USSR and Government of India for supply by the USSR of 6 lakhs tonnes of crude oil to India in 1979. In repayment of this quantity of crude oil, India shall deliver to USSR in the same year a quantity of rice, the value of which will be equivalent to the value of 6 lakhs tonnes of crude oil. Formal contracts in this regard are expected to be concluded between the concerned commercial organisations of the two countries very shortly.

Demand for Provision of Funds for Television Project in North Eastern States

*611. SHRI PURNA NARAYAN SINHA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government had received any special demand for provision of fund for establishing a Television Project for Rural, Agricultural broadcasting in the North Eastern States either from any of the State Governments, Union territories or the North Eastern Council;

(b) if so, whether Government propose to allocate the estimated fund of Rs. 4 crores for a T. V. centre in the heart of the region; and

(c) if not, why the region is not being brought under Television network of the country?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (c). Suggestions have been received from the Governor of Assam and the State Government of Meghalaya for the setting up of T.V. Stations in the North Eastern region. It has not been found possible to provide T.V. facilities in this Region during the Sixth Five Year Plan owing to constraints on resources and the low priority given for the expansion of Television in India.

हिन्दुस्तान जिंक प्लांट डेबरी से निकलने वाला अपशिष्ट पदार्थ

*612. श्री बहादुर सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने इस बात की कोई जांच कराई है कि हिन्दुस्तान जिंक प्लांट से निकलने वाले पदार्थ के साथ लगभग 10,000 रुपये का जिंक प्रतिदिन चला जाता है;

(ख) क्या यह सच है कि इस प्रकार जिंक निकलने से दो तीन किलोमीटर क्षेत्र में अबरोग तथा कैंसर रोग फैल जाने की समस्या पैदा हो सकती है और इस क्षेत्र के कुओं और भूमि का उपयोग भी नहीं किया जा सकता ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है और यह अपशिष्ट पदार्थ कब से जा रहा है और अब तक कितनी हानि हो जाने का अनुमान है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) कोई औपचारिक जांच नहीं कराई गई है । लेकिन अपशिष्ट पदार्थ में जिंक की मात्रा बहुत ही नगण्य अर्थात् सामान्यतः एक मिलियन में दस अंश से भी कम होती है जिसका मूल्य 150 रुपए प्रति दिन बैठता है ।

(ख) और (ग): इस कारण रोग फैलने या जमीन के अनुपयोगी हो जाने की किसी घटना की कोई सूचना नहीं मिली है । फिर भी स्मेल्टर के आस-पास के क्षेत्र में फसल व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए उदयपुर कृषि विश्व-विद्यालय के प्रतिनिधियों और हिन्दुस्तान जिंक लि० के अधिकारियों की एक समिति बनाई गई है । देबारी जिंक स्मेल्टर से अपशिष्ट पदार्थ 1967 से निकाला जा रहा है । इस अपशिष्ट पदार्थ का अंतिम निकासी से पहले एक तालाब में चूने से शोधन किया जाता है । चूंकि अपशिष्ट पदार्थ में विद्यमान जिंक की नगण्य मात्रा को प्रचलित ढंग से निकाल नहीं जा सकता ; इसलिए कंपनी को हानि होने का